



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 322]
No. 322]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 7, 1989/ज्येष्ठ 17, 1911
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 7, 1989/JYAISTHA 17, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय
(कृषि एवं सहकारिता विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 1989

का.आ. 411(अ) :—बहु राज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा गया है) की धारा 37 उपबंध करती है कि कोई व्यक्ति किसी बहु-राज्य सहकारी सोसाइटी के बोर्ड में, सभापति या अध्यक्ष अथवा उप-सभापति या उपाध्यक्ष का पद उसके द्वारा दो लगातार पदावधियों के लिए, पूर्णकालिक या अंशकालिक रूप में धारण करने के पश्चात् पुनः धारण करने के लिए पात्र नहीं होगा,

और अधिनियम की धारा 37 का स्पष्टीकरण उपबंध करता है कि जहां इस अधिनियम के प्रारंभ पर सभापति या उप-सभापति अथवा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद धारण करने वाला कोई व्यक्ति ऐसे प्रारंभ के पश्चात् उस पद के लिए

पुनःनिर्वाचित हो जाता है, वहां उसके बारे में इस धारा के प्रयोजन के लिए यह समझा जाएगा कि उसने ऐसे निर्वाचन के पूर्व एक पदावधि के लिए पद धारण किया था,

और राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटियों तथा ऐसी कुछ सोसाइटियों के अध्यक्षों ने केन्द्रीय सरकार को अभ्यावेदन किया है कि अधिनियम की धारा 37 के स्पष्टीकरण के उपबंध कुछ ऐसी सोसाइटियों के ऐसे पदों के धारकों को कुल अनुमेय छः वर्ष की कालावधि की दो पूर्ण पदावधियों के लिए बने रहने से वंचित करते हैं जो इस तथ्य को विशेष रूप से दृष्टि में रखते हुए कि ऐसी सोसाइटियों की सदस्यता और उसका प्रवर्तन सभी राज्यों में है। ऐसी सोसाइटियों के समग्र कार्य निष्ठावन पर प्रतिकूल रूप से प्रभाव डालता है ;

और केन्द्रीय सरकार का ध्यानपूर्वक विचारण करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि यह समोचन होगा कि उक्त स्पष्टीकरण के उपबंधों का राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटियों को उसके लागू होने में उपांतरण किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, अधिनियम की धारा 99 को उपधारा (2) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्वगामी पंराओं में कथित कारणों से अधिनियम की दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटियों की अधिनियम की धारा 37 के स्पष्टीकरण के उपबंधों से छूट देना है और निदेशित करती है कि उक्त स्पष्टीकरण के उपबंध ऐसे सोसाइटियों को ऐसी रीति से लागू होंगे कि जहाँ इस अधिनियम के प्रारंभ पर इस अधिनियम की दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटी में सभापति या उपसभापति अथवा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद धारण करने वाला कोई व्यक्ति ऐसे प्रारंभ के पश्चात् उस पद के लिए पुनः निर्वाचित हो जाता है, वहाँ धारा 37 के उपबंधों के प्रयोजन के लिए उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसने ऐसे निर्वाचन के पूर्व केवल एक पदावधि के लिए पद धारण किया था, यदि उसने ऐसा पद उस राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटी को, जिसका वह सभापति या उपसभापति अथवा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष है, उप-विधियों के अनुसार ऐसे निर्वाचन के पूर्व पूर्ण अवधि के आधे से अधिक के लिए धारण किया है:

परन्तु किसी राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटी को उप विधियों में अन्तर्विष्ट उपबंधों के होते हुए भी ऐसा पद धारण करने के लिए कुल लगातार कालावधि, जिसके अन्तर्गत वह कालावधि भी है जिसके लिए ऐसे व्यक्ति ने अधिनियम के प्रारंभ के पूर्व ऐसी राष्ट्रीय सहकारी सोसाइटी में ऐसा पद धारण किया है, छः वर्ष की कुल लगातार कालावधि से अधिक नहीं होगी।

[सं. एल-11012/6/89 एल एंड एम]
विष्णु भगवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 7th June, 1989

NOTIFICATION

S.O. 411(E).—Whereas section 37 of the Multi-State Co-operative Societies Act, 1984 (51 of 1984) (hereinafter referred to as the Act) provides that no person shall be eligible to hold the office of the president or chairman or vice-president or vice-chairman on the board of a multi-State co-operative society, after he has held the office as aforesaid during two consecutive terms, whether full or part;

And whereas the Explanation to section 37 of the Act provides that where any person holding the office of the president or vice-president or chairman or vice-chairman at the commencement of the Act is again elected to that office after such commencement, he shall for the purpose of this section be deemed to have held office for one term before such election:

And whereas national co-operative societies and the chairman of some of such societies have represented to the Central Government that the provisions of the Explanation to section 37 of the Act deprives some of such societies of the continuance of the holder of such offices for full two terms of a total permissible period of six years, which prejudicially affects the overall performance of such societies particularly in view of the fact that the membership and operation of such societies is spread-over to all the States;

And whereas the Central Government after careful consideration are satisfied that it will be expedient to modify the provisions of the said Explanation in its applicability to the national co-operative societies;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (2) of section 99 of the Act and for the reasons stated in the foregoing paragraphs, the Central Government hereby exempts the national co-operative societies specified in the Second Schedule to the Act from the provisions of the Explanation to Section 37 thereof and directs that the provisions of the said Explanation shall apply to such societies in the manner that where any person holding the office of the president or vice-president or chairman or vice-chairman in a national co-operative society specified in the Second Schedule to the Act, at the commencement of the Act, is again elected to that office after such commencement, he shall, for the purpose of the provisions of section 37, be deemed to have held office for one term before such election only if he has held such office for more than one half of the full term before such election as per by-laws of the national co-operative society of which he is the president or vice-president or chairman or vice-chairman;

Provided that notwithstanding the provisions contained in the by-laws of any national co-operative society, the total continuous period for holding such office including the period for which the person has held such office before the commencement of the Act in such national co-operative society, shall not exceed the total continuous period of six years.

[No. 1. 11012/6/89-L&M]
VISHNU BHAGWAN, Jt. Secy.